

वृक्षारोपणप्रस्तावना

वन मानव जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है किंतु सामान्य व्यक्ति उसके महत्व को नहीं समझ रहा है जो व्यक्ति वनों में रहते हैं या जिनकी आजीविका वनों पर आश्रित है। वही वनों को महत्व को समझते हैं।

वृक्षारोपण क्या है

किसी भी पट्टे से रहित बंजर भूमि में पौधों को लगाने या बीज बोने की प्रक्रिया को वृक्षारोपण कहते हैं यह विशेष रूप से देशों में विदेशी वृक्षों को लगाने की एक प्रक्रिया है। आज के इस आधुनिक युग में पौधों की संख्या में बहुत कमी हो रही और मनुष्य जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है। इसलिए वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी है। आसान शब्दों में कहा जाय तो वृक्षारोपण नए वनों का निर्माण है।

वृक्षारोपण का महत्व

मनुष्य के जीवन में वृक्षों का बहुत ही विशेष महत्व है। पंड खरती माता के बेटे हैं और हमारे भित्त भी वृक्षा से हमें फूल, सब्जियां, लकड़ियां आदि प्राप्त होती हैं। लकड़ी से फर्नीचर, कागज, शॉक आदि वस्तुएँ तैयार की जाती हैं। उसके अलावा पौधों से बहुत सारी औषधियां तैयार की जाती हैं जो हमारे शरीर से संबंधित कई प्रकार के रोगों का उपचार करने में हमारी मदद करती हैं।

पेड़ ना केवल हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं। बल्कि पर्यावरण को भी सुंदर बनाते हैं। पेड़ पर पक्षी अपना घासला बनाकर रहते हैं। तपती सूप में यह अनुभव को छाया प्रदान कर उसे गर्मियों से बचाने में मदद करती है। पेड़ों के ना होने से अनुभव का जीवन सुकट में आ जाएगा। अनुभव सुख सुविधाओं को लालच में आकर पेड़ों का शत्रु बन बंधे है।

कारण प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं और प्रदूषण से युगतर्न के पश्चात् अब लोगों को वृक्षारोपण का महत्व समझने आने लगा है। अब जहर से लेकर गौत तक लोगों और सरकार ने मिल जुल कर कार्यक्रमों को शुरुवात की है जिससे को वृक्षारोपण को बढ़ावा मिले। स्कूल और कॉलेज में भी बच्चा और अध्यापकों द्वारा नियमित रूप से वृक्षारोपण के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

निष्कर्ष Conclusion

वृक्षारोपण न केवल वासन का कारतव्य है। बल्कि हमारा भी कारतव्य है। प्रत्येक नागरिक को यह कारतव्य है कि वृक्षा को ना काटें और काटने से भी बचें। अधिकाधिक वृक्षारोपण करें, ताकि वर्ना से हमें परेशान की सुविधा, पशु पक्षी का दुर्शन, प्राकृतिक संतुलन बनस्पति आदि मिलते रहे। अगर कुन संपदा नष्ट हो जाएगी तो संस्कृति को कोप से बचाना बहुत ही मुश्किल होगा।